7. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए:-

(क) भारतीय संस्कृति

(ख) विद्यार्थी के कर्त्तव्य

(ग) नमोनमामि गंगे

(घ) साहित्य और जीवन

(ड़) मेरे सपनों का भारत

8. (क) भाव पल्लवन कीजिए:-

(i) परहित सरिस धरम नहीं भाई।

(ii) विद्या ददाति विनयम्

अथवा

(ख) संक्षेपण कीजिए:-

आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी। अन्य तारे उसकी भावुकता **अथवा** असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे।

स/71

मध्यमा (द्वितीय वर्ष) परीक्षा, 2015

साहित्य

प्रथमं प्रश्नपत्रम्

साधारण हिन्दी

समयः - घंटात्रयम् *पूर्णाङ्काः -100*

(प्रश्नपत्रप्राप्तिसमनन्तरमेव अस्योपरि स्वीयोऽनुक्रमाङ्कः लेख्यः)

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

(अ) मैं जग-जीवन का भार लिए फिरता हूँ;
फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ;
कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर
मैं सासों के दो तार लिए फिरता हूँ !
मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ!
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ!

अथवा

(ब) अंगना-अंग से लिपटे भी
आतंक अंक पर काँप रहे हैं।
धनी, वज्र-गर्जन से बादल!
त्रस्त-नयन मुख ढाँप रहे हैं।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर!
चूस लिया है उसका सार,
हाड़-मात्र ही है आधार ,
ऐ जीवन के पारावार !

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

(अ) बाजार आमंत्रित करता है आओं मुझे लूटो और लूटो। सब भूल जाओं, मुझे देखो। मेरा रूप और किसके लिए है? मैं तुम्हारे लिए हूँ। नहीं कुछ चाहते हो, तो भी देखने में क्या हरज है। अजी आओ भी। इस आमंत्रण में यह खूबी है कि आग्रह नहीं है, आग्रह तिरस्कार जगाता है। लेकिन ऊँचे बाजार का आमंत्रण मूक होता है और उससे चाह जगाती है। चाह मतलब अभाव।

अथवा

(ब) कविवर रवीन्द्र नाथ में यह अनासूक्ति थी। एक जगह उन्होंनें लिखा- 'राजोद्यान का सिंहद्वार कितना ही अभ्रभेदी क्यों न हो उसकी शिल्प कला कितनी ही सुन्दर क्यों न हो; वह यह नहीं कहता कि हममें आकर ही सारा रास्ता समाप्त हो गया। असल गंतव्य स्थान उसे अतिक्रम करने के बाद ही है यही बताना उसका कर्त्तव्य है। फूल हो या पेड़, वह अपने आप में समाप्त नहीं है। यह किसी अन्य वस्तु को दिखाने के लिए उठी हुई अँगुली का वह इशारा है।

3. हरिवंश राय बच्चन **अथवा** सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के व्यक्तित्व एवं काव्यकला पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

4. निबन्धकार के रूप में 'महादेवी वर्मा' **अथवा** 'आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी' के योगदान पर प्रकाश डालिए।

5. 'सिल्वर वौडिंग' **अथवा** 'डायरी के पन्ने' कहानी की समीक्षा कीजिए।

6. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें:-

(क) कहानी **अथवा** उपन्यास।

(ख) छायावाद **अथवा** नई कविता।